चित्तरंजन ज्योतिषी

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
हिंदुस्तानी गायन संगीत

CHITTARANJAN JYOTISHI

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Hindustani Vocal Music

मध्य प्रदेश के सागर में 4 फरवरी 1940 को जन्मे, श्री चित्तरंजन ज्योतिषी ने संगीत में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित की है। आप ग्वालियर घराने में दीक्षित हैं और ख्याल, ध्रुपद, ठुमरी और भजन गायिकी में महारत रखते हैं। आपने शिव प्रसाद त्रिपाठी (प्रख्यात ध्रुपद और भजन कलाकार), ओंकारनाथ ठाकुर और बलवंत राय भट्ट के मार्गदर्शन में संगीत सीखा है।

आप बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रदर्शन कला संकाय से संबद्ध रहे हैं। यहाँ आपने गायन संगीत विभाग के अध्यक्ष के रूप में काम किया है। आप बीएचयू के कला संकाय के डीन भी रह चुके हैं। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन के 'शीर्ष ए' श्रेणी के कलाकार हैं। आप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय और लखनऊ स्थित भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में संगीत और ललित कला की विभिन्न समितियों में यूजीसी द्वारा नामांकित सदस्य रह चुके हैं। आप मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की जूनियर और सीनियर फेलोशिप समिति, और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की समिति के सदस्य भी रहे हैं। राग कल्पद्रुम का विश्लेष्णात्मक अध्ययन जैसी उत्कृष्ट पुस्तक का श्रेय आप ही को जाता है। आपने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कई व्याख्यान–प्रदर्शन दिए हैं। आप 'चित्तरंग' उपनाम से लिखते हैं। आपने ही राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर का 'कुलगीत' लिखा है।

हिंदुस्तानी गायन संगीत में योगदान के लिए श्री चित्तरंजन ज्योतिषी को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 4 February 1940 in Sagar in Madhya Pradesh, Shri Chittaranjan Jyothishi has a Masters' degree in Music and also a doctorate. He has been trained in the Gwalior Gharana in Khayal, Dhrupad, Thumri and Bhajan. He has learnt under the guidance of Shiv Prasad Tripathi (eminent Dhrupad and Bhajan artist), Omkarnath Thakur and Balwant Rai Bhatt.

Shri Chittaranjan has been associated with the Faculty of Performing Arts at the Banaras Hindu University (BHU) at Varanasi, where he has worked as Head, Department of vocal music. He has also been the Dean of the Faculty of Performing Arts, BHU. He is 'Top' grade artist of Akashvani and Doordarshan. He has been a member of the University Grants Commission in New Delhi and has been a UGC nominee of various committees of music and fine arts at the Delhi University and the Bhatkhande Sangeet University in Lucknow. He has also been a member of the Junior and Senior Fellowship Committee of the HRD Ministry, Government of India, New Delhi. He has been a member of the Culture Ministry, Government of India, New Delhi. He is credited with having brought out fine publications such as *Raag Kalpadrum ka Vishleshnatmak Adhyayan*. He has delivered a number of lecture-demonstrations all over India in different universities. He is an eminent music composer and writes his compositions under the pen name 'Chittarang'. He is credited with having composed the 'Kulgeet' of Raja Mansingh Tomar Sangeet Evam Kala Vishvavidyalaya, Gwalior.

Shri Chittaranjan Jyothishi receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Hindustani vocal music.